



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

३ पौष १९४० (श०)
(सं० पटना १२०१) पटना, सोमवार, २४ दिसम्बर २०१८

स्वास्थ्य विभाग

अधिसूचना
(शुद्धि पत्र)

२९ सितम्बर २०१८

सं० १८(प्र०को०)-ए०सी०पी०/डी०ए०सी०पी०-०१-०१/२०१६-२४२(प्र०को०)/स्वा०-डा० शमशेर बहादुर सिंह, उपमुख्य कारखाना निरीक्षक एवं डा० राजकेश्वर कुमार, कारखाना निरीक्षक, श्रम संसाधन विभाग, बिहार, पटना को स्वास्थ्य विभागीय अधिसूचना सं०-४० (प्र०को०) दिनांक २३.०३.२०१७ द्वारा क्रमांक-६२ एवं क्रमांक-८० पर क्रमशः दिनांक ०१.०१.२००६ से वैचारिक रूप से तथा दिनांक २५.११.२००८ से वास्तविक लाभ प्रदान करते हुए क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय डायनेमिक ए०सी०पी० की स्वीकृति प्रदान की गई है।

डा० शमशेर बहादुर सिंह, एवं डा० राजकेश्वर कुमार स्वास्थ्य सेवा संवर्ग के चिकित्सा पदाधिकारियों का श्रम नियोजन एवं प्रशिक्षण विभाग में उनकी सहमति से ही श्रम नियोजन एवं प्रशिक्षण विभाग की अधिसूचना सं०-२६५ दिनांक ०९.०९.२००४ द्वारा उनकी सेवा श्रम सेवा (तकनीकी) संवर्ग में स्थायी रूप से समायोजित किया गया है। इस तरह दिनांक १०.०९.२००४ से डा० सिंह एवं डा० कुमार स्वास्थ्य सेवा संवर्ग के चिकित्सक नहीं रहे बल्कि श्रम विभाग के स्थायी चिकित्सक हो गये। परन्तु इस संबंध में पूर्ण रूप से जानते हुए भी उक्त दोनों चिकित्सकों द्वारा उक्त तथ्य को छुपाते हुए एवं विभाग को गुमराह करते हुए षडयंत्र कर डायनेमिक ए०सी०पी० का लाभ प्राप्त किया गया है जो नियमानुकूल नहीं है। इसलिए श्रम संसाधन विभाग में स्थायी रूप से उनकी सेवा समायोजित हो जाने के फलस्वरूप उन दोनों चिकित्सकों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रदत्त डायनेमिक ए०सी०पी० का लाभ अनुमान्य नहीं होगा क्योंकि यह लाभ स्वास्थ्य सेवा संवर्ग के चिकित्सा पदाधिकारी को ही अनुमान्य है।

अतः स्वास्थ्य विभागीय अधिसूचना सं०-40(प्र०को०) दिनांक 23.03.2017 द्वारा क्रमांक-62 पर डा० शमशेर बहादुर सिंह को तथा क्रमांक-80 पर डा० राजकेश्वर कुमार को स्वीकृत प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय डायनेमिक ए०सी०पी० को रद्द किया जाता है। अधिसूचना सं०-40(प्र०को०) दिनांक 23.03.2017 की शेष कड़िकाएँ यथावत रहेंगी।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
(ह०) अस्पष्ट,
सरकार के संयुक्त सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 1201-571+10-डी०टी०पी०।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>